

अस्तित्व का गंभीर मज़ाक

BladeFrega की पहली आज्ञा

अपने अस्थायी स्वरूप को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से मत लो।

अस्तित्व गंभीर है, पर उसकी हास्य-वृत्ति अजीब है। हम बिना निर्देशों के आते हैं, वर्षों प्रक्रियाएँ गढ़ने में बिताते हैं, और पुस्तिका के स्वीकृत होने से पहले चले जाते हैं। हास्य गंभीरता को घटाता नहीं। वह गंभीरता को अपना ही स्मारक बन जाने से रोकता है।

जो व्यक्ति समय पर हँस नहीं सकता, वह अंततः उसका कर्मचारी बन जाता है। एक मज़ाक किसी तर्क से भी तेज़ी से सच उजागर कर सकता है। वह बगल के दरवाज़े से भीतर आ जाता है, जबकि दर्शन अब भी मुख्य प्रवेश-द्वार ढूँढ़ रहा होता है। अनंतता कभी-कभी एक गंभीर विचार होती है, जिसने हास्यास्पद टोपी पहन रखी है।

निष्कर्ष

अनंतता तब शुरू नहीं होती जब समय अनंत हो जाता है। वह तब शुरू होती है जब कोई निर्णय, कोई पृष्ठ या कोई कृति समाप्त होने से इनकार कर देती है।

Ferdinando

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com